जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 145
दिनांक 04.12.2015

कृषि विवि में विश्व मृदा दिवस एवं
मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण समारोह आज

जबलपुर 04 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय में आज प्रातः 11.30 बजे से विश्व मृदा दिवस एवं मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण समारोह कृषि महाविद्यालय सभागार में सांसद श्री राकेश सिंह के मुख्य अतिथ्य में आयोजित होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री शरद जैन, अंचल सोनकर पूर्व मंत्री एवं विधायक, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमति मनोरमा पटेल, विधायकगण श्री सुशील कुमार तिवारी, श्रीमति नंदनी मरावी, श्रीमति प्रतिभा सिंह, श्री अशोक रोहाणी, श्री नीलेश अवस्थी एवं श्री तरूण भनोत विधायक एवं विवि प्रमंडल सदस्य शामिल होंगे। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर समारोह की अध्यक्षता करेंगे। डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, डॉ. आनन्द मोहन शर्मा उपसंचालक कृषि, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, डॉ. ए.के. रावत विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, जबलपुर एवं डॉ. पी.के. मिश्रा अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवायें ने उपस्थिति की अपील की है।

कार्यक्रम विवरण

कृषि महाविद्यालय सभागार में प्रातः 11.30 बजे दीप प्रज्जवलन, 11.32 बजे सरस्वती वंदना, 11.35 बजे अतिथि स्वागत, 11.45 बजे स्वागत भाषण डॉ. पी.के. मिश्रा अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार, 11.55 बजे उदबोधन ''मृदा का महत्व'' डॉ. ए.के. रावत विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, जबलपुर अपरान्ह 12.05 बजे उदबोधन शरद जैन, लोक स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, 12.15 बजे उदबोधन समारोह अध्यक्ष कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर 12.25 बजे मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण 1 बजे उदबोधन मुख्य अतिथि श्री राकेश सिंह सांसद तथा 1.15 बजे आभार प्रदर्शन डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर करेंगे।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 146
दिनांक 05.12.2015

स्वस्थ मृदा से जुडी है मानव की तन्दुरूस्ती : सांसद राकेश सिंह
कृषि विवि में विश्व मृदा दिवस एवं मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण समारोह सम्पन्न

जबलपुर 05 दिसम्बर। विश्व में खेती व्यवसाय के रूप में की जाती है जबकि भारत का किसान खेती को अपना धर्म और धरती को मां समझ कर खेती करता है। आजाद भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ जब हम खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु चिन्तन कर रहे हैं। याद रहे स्वस्थ मृदा से मानव की तन्दुरूस्ती जुड़ी है। तदाशय के सामयिक और प्रेरणास्पद उदगार सांसद श्री राकेश सिंह ने जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग म.प्र. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विश्व मृदा दिवस एवं मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये। उन्होंने ने आगे कहा भविष्य में विद्यालयों की प्रयोगशाला में ही मिट्टी परीक्षण होने लगेगा। उन्होंने ने कृषि तकनीक को किसान की भाषा और सरल हिन्दी में प्रकाशित करने का मश्वरा दिया। आपने कहा कि देश में हरित क्रान्ति तो आई किन्तु मिट्टी उर्वरा की शाक्ति पर विपरीत असर भी पड़ा। इसलिये आज मिट्टी को तन्दुरूस्त करने हेतु कवायद जरूरी है।

अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कहा कि सूक्ष्म तत्वों के प्रयोग से बीस प्रतिशत उत्पादन बढ़ जाता है। कृषि विवि ने 100 फसलों की लगभग 400 प्रजातियां विकसित की हैं जो देश में लोकप्रिय और अच्छी पैदावार दे रही हैं। हाल ही में हमने 6 फसलों की 8 नई जातियां विकसित की हैं। हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा जी.पी.एस. आधारित विभिन्न जिलों के विकास खण्डों एवं गॉवों में कृषकों के खेतों से नमूने एकत्रित किये हैं तथा नमूने को मृदा जाँच हेतु तैयार किया गया एवं पी.एच, ई.सी., आर्गनिक कार्बन, प्रमुख पोषक तत्व उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश सूक्ष्म पोषक तत्व सल्फर, जिंक, आयरन, मैग्नीज कॉपर आदि तत्वों का विश्लेषण किया गया हैं एवं इसकी पूरी जानकारी मृदा स्वास्थ कार्ड के रूप में तैयार की गई। यह मृदा हेल्थ कार्ड आगामी 3 वर्षो तक फसलोत्पादन हेतु उपयोगी होगा जो पोषक तत्व की मात्रा व उपयोग की सिफारिश हेतु जानकारी देने में सक्षम होगा।

अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा ने स्वागत भाषण में बताया कि विश्व के साथ ही पूरे देश में आज अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस मनाया जा रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. रावत ने बताया अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस 2015 में मृदा विज्ञान व कृषि रसायन शास्त्र विभाग द्वारा स्लोगन (नारा) दिया गया है – ''स्वस्थ मृदा–स्वस्थ जीवन'' एवं अंर्तराष्ट्रीय मृदा दिवस 2015 में नारा दिया गया है – ''स्वस्थ जीवन हेतु स्वस्थ मृदा''। जी.पी. एस सिस्टम (सेटेलाइट बेस) से जुड़ेंगे किसान के खेत, मृदा वैज्ञानिकों से ले सकेगें जानकारी। अक्षांश व देशांश के माध्यम से मृदा की सत्यता की जाँच होगी। खेतों में कब खाद व उर्वरक डालना है की सही व सटीक जानकारी प्राप्त होगी। मृदा स्वास्थ पत्रक के माध्यम से किसान को कृषि भूमि में उपस्थित पोषक तत्व व उर्वरता की सही जानकारी प्राप्त हो पायेगी जो कि कम्प्यूटर पर आधारित होगी।

इस मौके पर विधायक श्री सुशील कुमार तिवारी, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमति मनोरमा पटेल, कलेक्टर श्री शिवनारयण रूपला, संयुक्त संचालक कृषि विभाग श्री एन.के. नेताम, उपसंचालक डॉ. आनन्द मोहन शर्मा, जनपद सभापति श्री शारदा यादव, प्रबंध प्रमंडल सदस्य

डॉ. ए.के. खत्री, संचालक एवं अधिष्ठातागण सर्वश्री डॉ. एस.के. राव, डॉ. जी.एस. राजपूत, डॉ. डी.के. मिश्रा, डॉ. आर.के. नेमा एवं डॉ. आर.के. वर्मा आदि मंचासीन थे।

इस अवसर पर जहां जे.एन.के.व्ही.व्ही रिसर्च जर्नल विशेषांक का विमोचन हुआ वहीं 30 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरित किये गए। सभागार में सैकड़ों की संख्या में कृषकगण, शिक्षक और वैज्ञानिक उपस्थित थे। पूर्व में मां सरस्वती की कांस्य प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन, वंदना के उपरान्त अतिथियों का भावभीना स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कृषि वैज्ञानिक डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने किया।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : भोगल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 147
दिनांक 09.12.2015

कृषि विवि के 1200 पेंशनरों को सेन्ट्रल बैंक देगा पेंशन

जबलपुर 09 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय और सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मध्य हुये करार के अनुसार अगले माह से विश्वविद्यालय के 1200 पेंशनरों को सेन्ट्रल बैंक पेंशन देगा। कृषि महाविद्यालय स्थित विवेकानन्द सभागार में 08, 09 और 10 दिसम्बर तक 3 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पेंशन संबंधी जानकारी दी जायेगी। पेंशनरों को बैंक में नया खाता खुलवाने हेतु 3 फोटो, निवास स्थान के प्रमाण हेतु बिजली बिल, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लायसेंस तथा पहचान हेतु वोटर आई.डी. कार्ड या पेन कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.), राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर, पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर विवि से सेवानिवृत्त लगभग 1200 पेंशनर्स इसमें शामिल हैं।

ज्ञात हो कि जनेकृविवि को मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रथम अनुपुरक अनुदान में आयोजनेत्तर मद के अन्तर्गत स्ववित्तीय पेंशन हेतु 10 करोड़ रूपये की पहली किश्त जारी की गई है। गौरतलब है कि विवि में विगत अनेक वर्षो से पेंशन को लेकर मांग की जा रही है और समय–समय पर धरने आदि का माहौन बना रहा। किन्तु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में विधिवत कागजात तैयार कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश शासन के समक्ष पेश किये गए एवं शासन स्तर पर निरन्तर प्रयास किये गए। परिणामतः एक लम्बी और मेहनतकश कवायद के बाद अन्ततः प्रदेश शासन ने भोपाल में सम्पन्न कैबिनेट बैठक में विवि हेतु स्ववित्तीय पेंशन योजना हेतु निर्णय कर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। घोषणा के फलितार्थ विश्वद्यिालय के 50 वर्षो के इतिहास में पहली बार पेंशन मद में उक्त राशि विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। भविष्य में किश्तों के रूप में यह राशि लगातार प्राप्त होती रहेगी।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : भोगल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 148
दिनांक 14.12.2015

युवतियों ने सीखा मैक्रून, केक, बिस्कुट बनाने का हुनर
कृषि विवि में बेकरी उत्पाद प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर 14 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित स्वरोजगारोन्मुखी बेकरी उत्पाद पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 युवतियों को मैक्रून, कोकोनट बिस्कूट, केक, मफेन्स, डोनट, ब्रैड, बिस्कूट आदि विशिष्ट उत्पादों का सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. नीलू विश्वकर्मा ने दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा ने प्रशिक्षणार्थी युवातियों द्वारा तैयार की गई सामग्री का अवलोकन किया और उत्पाद को समूह बनाकर क्रय करने का आव्हान किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के युवक व युवतियों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं व कृषकों में उघमिता के गुणों को विकसित कर स्वरोजगार हेतु तैयार करना है।

इस अवसर पर उपस्थित विषय विशेषज्ञ एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस, डॉ. एस.बी.अग्रवाल, डॉ. वाई.एम. शर्मा, डॉ. बी.पी. बिसेन, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. प्रमोद शर्मा का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रिचा सिंह तथा आभार प्रदर्शन डॉ. नीलू विश्वकर्मा ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 149
दिनांक 15.12.2015

कृषि विवि के वैज्ञानिकों का सुयश

जबलपुर 15 दिसम्बर। विगत दिवस राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन 2015 जिवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में आयोजित जिसमें खाद्य विज्ञान विभाग की डॉ. अल्पना सिंह के निर्देशन में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मुंबई द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अनुसंधान कार्य के शोध पत्र को शिवविलास मौर्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस शोध पत्र को प्रथम पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने उनकी सरहाना की। उल्लेखनीय है कि देश के सर्वोच्च भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र और जनेकृविवि के बीच कृषि क्षेत्र की उन्नति हेतु इसी वर्ष अनुबंध हस्ताक्षरित हुआ है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 150
दिनांक 16.12.2015

प्रबंधन में सूचना क्रांति का अहम् महत्व : डॉ. मिश्रा
कृषि विवि में इंटिग्रेटिड यूनिवर्सिटी मैनेजमेन्ट सिस्टम लागू

जबलपुर 16 दिसम्बर। वर्तमान में जब पूरा देश डिजीटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है ऐसे में कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रबंधन में सूचना क्रांति का महत्व बढ़ जाता है। इसी तारतम्य में जनेकृविवि द्वारा वेबसाइट को अध्यतन करने हेतु इंटिग्रेटिड यूनिवर्सिटी मैनेजमेन्ट सिस्टम लागू किया जा रहा है। जिसके तहत प्रदेशभर में कार्यरत 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि महाविद्यालयों एवं अनुसंधान केन्द्रों को इस सिस्टम से ऑनलाइन जोडा जा रहा है। जिससे मुख्यालय से कृषि विज्ञान केन्द्रों का सतत् सम्पर्क बना रहेगा एवं सूचनाओं का आदान–प्रदान तीव्र गति से हो सकेगा।

उक्त आशय के विचार अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कम्पयूटर प्रोग्रामर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उक्त कार्यशाला में संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. एम.के. हरदहा, डॉ. (श्रीमति) अर्चना पाण्डे, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. अनय रावत, श्री ए.के. सिंह एवं श्री रघुनाथ ठाकुर आदि उपस्थित थे।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 151
दिनांक 23.12.2015

देश में घटता दलहन उत्पाद चिंतनीय – प्रो. तोमर
कृषि विवि में दलहन एवं तिलहन तकनीक उत्पादन कार्यशाला संपंन

जबलपुर, 23 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से दलहन एवं तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिये दो दिवसीय दलहन एवं तिलहन उन्नत उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 20 जिलों से उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों ने फसलों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान हेतु मंथन किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने देश के घटते दलहन उत्पादन पर चिंता व्यक्त की और वैज्ञानिकों से आव्हान किया कि दलहन एवं तिलहन उत्पादन बढाने हेतु सार्थक प्रयास करें। प्रो. तोमर ने देश में उपलब्ध उन्नत प्रजातियों को समूह प्रदर्शन के माध्यम से किसान भाइयों तक ले जाने की सलाह दी। अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा ने पूर्व में इस परियोजना एवं कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताया कि इस परियोजना से प्राप्त दलहन एवं तिलहनी फसलों के बीज को अगले वर्ष बीज के रूप में उपयोग किया जायेगा ताकि आगामी आने वाले वर्षों में इन फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम में कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान जोन–7 के निदेशक डॉ. अनुपम मिश्रा, संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. एम.के. हरदहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. वरिष्ठ वैज्ञानिक संजय वैशनपायन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी डॉ. अनय रावत, ए.के. सिंग, आर.के. दुबे एवं रघुनाथ ठाकुर का उल्लेखनीय योगदान रहा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 152
दिनांक 26.12.2015

कृषि वैज्ञानिकों ने दिया किसान बीज उत्पादन समितियों को प्रशिक्षण

जबलपुर, 26 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई संकर एवं अन्य फसलों की बीज उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण बीज उत्पादक किसान सहकारी समितियों से जुड़े किसानों को देने की महती योजनान्तर्गत विश्वविद्यालय के बीज प्रौद्योगिकी केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय बालाघाट के वैज्ञानिकों के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कृषि महाविद्यालय बालाघाट के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. बिसेन ने गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में किसान समितियों के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि बालाघाट जिला प्रदेश में गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका अदा कर सकता है इसकी जलवायु संकर एवं अन्य फसलों के बीज उत्पादन के लिये उपयुक्त पायी गई है। इस मौके पर संकर धान बीज उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण के विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया। डॉ. एम.एस. भाले एवं डॉ. जी.के. कौतू ने तकनीकी सत्र में किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रयोगों द्वारा डॉ. समैया ने बीज प्रशिक्षण की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। विशेषज्ञ डॉ. उत्तम बिसेन ने किसानों को संकर धान उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण दिया।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 153
दिनांक 27.12.2015

जनेकृविवि : उपलब्धियों से भरपूर 2015

फसलों की नई किस्में विकसित करने का श्रेय
नवीन अनुसंधान भवन, अवार्ड की सौगातें

जबलपुर, 27 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के लिये विदा लेता वर्ष 2015 अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरपूर रहा। विभिन्न फसलों की नई किस्मों के विकास ने विश्वविद्यालय की गरिमा में राष्ट्रीय स्तर पर चार चांद लगाये। वर्ष भर चलने वाली प्रादेशिक और राष्ट्रीय संगोष्ठियां, किसान मेले और शासकीय व निजी क्षेत्रों की कम्पनियों के साथ हुए एम.ओ.यू. अनुबंध ने इसकी साख को और भी मजबूत किया। मध्यप्रदेश को लगातार तीसरी बार मिले ''कृषि कर्मण अवार्ड'' से कृषि विवि के वैज्ञानिकों का योगदान सराहा गया और विकसित की गई उन्नत कृषि तकनीक के चर्चे देशभर में हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सूक्ष्म जीवाणु अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द का लोकार्पण किया। उन्होंने फार्मेंटल मशीन एवं पैकेजिंग व सीलिंग मशीन का भी उदघाटन किया। इस केन्द्र द्वारा प्रतिदिन 2 टन वाहक आधारित जैव उर्वरक का उत्पादन शुरू हो गया है। यह संस्कारधानी जबलपुर और मध्यप्रदेश के लिये एक अति महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नरसिंहपुर जिले के बोहानी में गन्ना अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जा रहा है।

52वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय बीज दिवस के ऐतिहासिक मौके पर कृषिमंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन ने नवनिर्मित अर्न्तराष्ट्रीय छात्रावास एवं जैविक कृषि के लिये 'अनुभव सीख कार्यक्रम' भवन का लोकार्पण किया वहीं प्रजनक बीज उत्पादन इकाई में बीज प्रदर्शनी का उदघाटन भी किया और पवारखेड़ा होशंगाबाद में नये 6वें कृषि महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। कृषि विवि ने विभिन्न फसलों की लगभग 400 प्रजातियां विकसित की हैं जो देश में लोकप्रिय और अच्छी पैदावार दे रही हैं। हाल ही में 6 फसलों की 8 नई जातियां विकसित की है जिनमें गेहूँ की दो किस्में एम.पी. 3382 एवं एम.पी. 1255 धान की दो किस्में, जे.आर.बी. 1 एवं हाइब्रिड धान जे.आर.एच. 19, चना जे.जी. 5, सोयाबीन जे.एस. 20–69, एवं कोंदो जे.के. 137 आदि शामिल है। विवि ने उन्नत किस्में विकसित कर कृषि, कृषक और देश की कृषि में महती सतत योगदान दिया है। यह प्रदेश के किसानों और कृषि वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। देश के जैविक उत्पादन में प्रदेश का 40% तथा अनाजोत्पादन में 12% योगदान है।

संपूर्ण भारत में कृषि विकास को गतिशीलता प्रदान करने हेतु देश के सर्वोच्च भाभा अणु अनुसंधान संस्थान तथा जनेकृविवि के मध्य समझौता–पत्र हस्ताक्षरित हुआ। दोनों संस्थानों के वैज्ञानिक मिलकर अनुसंधान कार्य को फसल उत्पादकता से जोड़ कर और भी गतिशीलता प्रदान करेंगे। इसी प्रकार नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर साईट्स, नागपुर से भी अनुबंध किया गया।

नई दिल्ली में केन्दीय कृषि मंत्री, भारत सरकार, श्री राधामोहन सिंह द्वारा विश्वविद्यालय को महिन्द्रा समृद्धि राष्ट्रीय कृषि शिक्षा सम्मान–2015 पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। गोविन्द्र वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पन्तनगर के 55वें स्थापना दिवस पर एल्युमिनाई संगठन द्वारा जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर को लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से विभूषित किया गया है।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

भारत के विभिन्न ख्याति प्राप्त संस्थानो जैसे, सोनालिका ट्रेक्टर्स, एवं विभिन्न एन.जी.ओ. जैसे सृजन और प्रधान संस्थानों मे 11 छात्र एवं छात्राओं का कैम्पस इंटरव्यू द्वारा चयन हुआ। इस वर्ष कैम्पस साक्षात्कार के माध्यम से कुल 5 कंपनियों ने साक्षात्कार आयोजित किये एवं 24 छात्रों का चयन हुआ। साथ ही म.प्र. शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित आत्मा परियोजना में 65 छात्रों को नियुक्ति प्राप्त हुई है।

प्रदेश शासन द्वारा जनेकृविवि में पेंशन योजना लागू करना इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। वर्तमान में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.), राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर, पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर एवं जनेकृविवि जबलपुर से सेवानिवृत्त 1200 से ज्यादा पेंशनर्स शामिल हैं।

इस वर्ष नवनियुक्त शिक्षकों वैज्ञानिकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर आदेश प्रसारित किये गए। केरियर एडवांसमेंट स्कीम 13वें चक्र के अन्तर्गत शिक्षकों वैज्ञानिकों को पदोन्नति–उच्च वेतनमान देने हेतु आदेश प्रसारित किये गए। केरियर एडवांसमेंट स्कीम 14वें चक्र के अन्तर्गत शिक्षकों वैज्ञानिकों को पदोन्नति–उच्च वेतनमान देने हेतु अधिसूचना जारी की गई जिसकी कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कार्यरत् पी.एच.डी. धारक 17 शिक्षकों वैज्ञानिकों को अग्रिम वेतनवृद्वियों का लाभ प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय में सीधी भर्ती से नियुक्त सहप्राध्यपकों वरिष्ठ वैज्ञानिकों को तीन वर्ष की सेवापूर्ण करने के उपरान्त 37400–67000+9000/– का वेतनमान प्रदान किया गया। सहायक श्रेणी ।।। के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई तथा समयमान वेतनमान योजना के अन्तर्गत 10, 20 एवं 30 वर्ष की सेवापूर्ण करने वाले 192 कर्मचारियों को समयमान वेतन का लाभ दिया गया इनमें प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी 74, प्रयोगशाला तकनीशियन 13, शीघ्रलेखक श्रेणी तीन 08, स्टेनो टायपिस्ट 03, ट्रेक्टर चालक 04, मैकेनिक 01, ब्लैक स्मिथ 01, कम्पाउंडर 01, हेल्पर 02, फिटर 02, कारपेंटर 01, सहायक श्रेणी तीन 62, कृषि विस्तार अधिकारी 04, वाहन चालक 05 तथा जूनियर कम्प्यूटर 11 आदि शामिल हैं। विवि द्वारा दिनांक 30.06.2015 को तृतीय श्रेणी के अन्तर्गत वाहन चालक, वाहन चालक सह मैकेनिक एवं ट्रेक्टर चालक के सीधी भर्ती एवं सीधी भर्ती–बैकलॉग के कुल 20 पद विज्ञापित किये गये हैं। साथ ही तृतीय श्रेणी संवर्ग के सीधी भर्ती एवं सीधी भर्ती–बैकलॉग के कुल 139 पद विज्ञापित किये गये हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा तकनीक मूल्यांकन हेतु 291 प्रक्षेत्रीय प्रयोग उन्नत तकनीक पर आयोजित किये गये जिनसे 73761 कृषक लाभांवित हुये। विगत वर्ष में दलहनी तथा तिलहनी फसलों पर उन्नत तकनीक का प्रदर्शन 4279 कृषकों के प्रक्षेत्र पर आयोजित किये गये। कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु 2212 प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गए जिनमें 83354 की भागीदारी रही। ग्रामीण युवाओं हेतु 53 प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गए जिनमें 1380 की भागीदारी रही। विकसित एवं परीक्षित तकनीक के प्रदर्शन उपरांत उनके व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु अन्य विस्तार गतिविधियों जैसे किसान मेला, प्रक्षेत्र दिवस, प्रक्षेत्र भ्रमण आदि आयोजित किये गये जिनमें कृषकों, कृषक महिलाओं एवं विभागीय कर्मचारियों ने भागीदारी की। इसके साथ–साथ प्रचार–प्रसार के अन्य माध्यम जैसे आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं अन्य निजी टी.वी., समाचार पत्रों व पत्रिकाओं के माध्यम से बहुसंख्य लोगों को उन्नत तकनीक की जानकारी फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु दी गई।

कृषकों को उन्नत तकनीकों, उन्नत उपकरण, उन्नत बीजों इत्यादि की जानकारी एकल–खिडकी से प्राप्त हो सके इस हेतु कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्रों का 5145 कृषकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा केन्द्र का भ्रमण किया गया एवं कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी

प्रदान की गई। 576 किसानों से प्राप्त समस्याओं का तकनीकी समाधान एवं सलाह विभिन्न विषयों पर समय–समय पर प्रदान की गई। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रक्षेत्रों पर उत्पादित लगभग 4800.00 क्विंटल प्रजनक बीज खरीफ में तथा 9637.00 क्विंटल बीज रबी में राष्ट्रीय आंवटन के आधार पर उपलब्ध कराया गया।

विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के माध्यम से कीर्तिमान उपलब्धियां प्राप्त की। 16 छात्र देश के विभिन्न आई.आई.टी. में तीसरी एवं नवमी जैसी उच्च रैंक के साथ चयनित हुये। 14 छात्र जूनियर रिसर्च फैलोशिप (आई.सी.ए.आर.) एवं दो छात्र सीनियर रिसर्च फैलोशिप (आई.सी.ए.आर.) के माध्यम से देश के विभिन्न ख्याति प्राप्त संस्थानों में एम.टेक. डिग्री प्रोग्राम के लिए चयनित हुये। इस वर्ष तीन विद्यार्थियों ने उद्यान शास्त्र में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। ए.एस.आर.बी. (आई.सी.ए.आर.) द्वारा आयोजित जेआरएफ परीक्षा में एक विद्यार्थी ने सफलता प्राप्त की। विज्ञान एवं तकनीकी विभाग भारत सरकार की पी.एच.डी. हेतु वरिष्ठ छात्रवृत्ति एक विद्यार्थी ने प्राप्त की। लगभग 12 विद्यार्थियों ने अन्य विभागों तथा बैंको में नौकरी हेतु सफलता प्राप्त की। रावे कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को ग्रामीण जीवन एवं उनकी कृषि संबंधित समस्याओं की जानकारी प्राप्त हुई तथा फसल उत्पादन के साथ अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों से भी अवगत कराया गया।

विश्वविद्यालय में पुस्तकों एवं सूचना के योगदान को प्रमुखता से ध्यान में रखा जाता है। इसी के अन्तर्गत स्नातक छात्रों हेतु करीब 60,000 किताबें, 16000 नियमकालिक पत्र पत्रिकायें, 8000 थीसिस एवं 2300 ऑन लाइन जर्नल्स उपलब्ध है। व्ही–सेट द्वारा अर्नेट सेवा का लाभ दिया गया हैं। विभिन्न उन्नत तकनीकों से परिचय कराने हेतु विश्वविद्यालय के प्रत्येक इकाई पर ''क्रॉप कैफ्टिेरिया एवं तकनीकी पार्क'' इंस्ट्रक्शनल फार्म, एक्सीपिरेंशिल लर्निंग कार्यक्रम, रावे एवं क्राफ्ट जैसी तकनीकी सुविधायें भी उपलब्ध हैं।

कृपया फाइल फोटो हेतु विवि की वेबसाईट www.jnkvv.nic.in देखे।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 155
दिनांक 29.12.2015

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 2016 का कृषि कैलेन्डर और डायरी विमोचित

जबलपुर, 29 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 2016 की कृषक डायरी एवं कैलेन्डर का विमोचन विश्वविद्यालय सभाकक्ष में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने किया। कुलपतिजी ने कृषि कैलेन्डर एवं डायरी को कृषकों, वैज्ञानिकों, कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं और छात्रों के लिये बहुउपयोगी बताया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल, लेखानियंत्रक श्रीमति सुशीला गुप्ता, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस.के. राव, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनकर शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. एम.के. हरदहा, प्रभारी संचार केन्द्र डॉ. श्रीमति अर्चना पाण्डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशनपायन, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. अनय रावत, एवं रघुनाथ ठाकुर उपस्थित थे।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 156
दिनांक 30.12.2015

''ग्रामीण युवाओं के पलायन का मूलभूत कारण है वर्तमान शिक्षा पद्धति''
कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में वाद–विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर, 30 दिसम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा मनाए जा रहे ''जय किसान–जय विज्ञान'' सप्ताह के अंतर्गत ''ग्रामीण युवाओं के पलायन का मूलभूत कारण है वर्तमान शिक्षा पद्धति'' विषय पर अधिष्ठाता डॉ. आर.के. नेमा की अध्यक्षता में वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागी विद्याथियों में पक्ष वर्ग ने जहॉ शिक्षा पद्धति के दोषों को इसका कारण निरुपित किया वहीं विपक्ष वर्ग ने इसके लिए ग्रामीण रोजगार के अवसरों की अनुउपलब्धता तथा शहरी कमाई को जिम्मेदार ठहराया। पलायन रोकने हेतु छात्रों ने कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना, विकास की संभावनाएं ग्राम में बढ़ाना, कौशल विकास, लघु व कुटीर उद्योगों का विकास, समान शिक्षा की व्यवस्था इत्यादि प्रमुख सुझाव दिये। निर्णायक के रूप में डॉ. एम.के. अवस्थी, डॉ. एम.एल. साहू तथा प्रो. सी.एम. एब्राल उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. एस.के. शर्मा ने संचालन एवं आभार प्रदर्शन किया।

–000